The Academic
International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume 4 | Issue 3 | March 2026
ISSN: 2583-973X (Online), SJIF IF: 5.6
Website: www.theacademic.in

यूपी बोर्ड का सीबीएसई बोर्ड के माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य की नेतृत्व क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन

मयंक शर्मा

एम0एड0, (महात्मा ज्योतिबा फूले रोहिलखंड विश्वविद्यालय बरेली)

DOI : https://doi.org/10.5281/zenodo.19581497

ARTICLE DETAILS

Research Paper

Accepted: 29-03-2026

Published: 10-04-2026

Keywords:

यूपी बोर्ड व सीबीएसई बोर्ड माध्यमिक विद्यालय, प्रधानाचार्य, नेतृत्व क्षमता

ABSTRACT

समाज को शिक्षित बनाने में समाज की सबसे छोटी इकाई नागरिक को अच्छी शिक्षा देना अत्यंत आवश्यक होता है विद्यालय में औपचारिक शिक्षा प्रदान की जाती है जिसमें प्रधानाध्यापको ,अध्यापकों एवं अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका होती है विद्यालय में समस्त विद्यालय को संचालित करने में प्रधानाध्यापकों की सबसे अधिक महत्वपूर्ण भूमिका रहती है क्योंकि उसके नेतृत्व क्षमता से ही समस्त विद्यालय को कुशलतापूर्वक संचालित किया जा सकता है, अतः प्रधानाचार्य की नेतृत्व क्षमता का अध्ययन करने से विद्यालयों के संचालन में आने वाली तमाम बाधाओ को दूर किया जा सकता है

प्रस्तावना

भारत में भी ‘‘कौटिल्य’’ के अर्थशास्त्र मे एक राजा में किन-किन नेतृत्व के गुण होने चाहिए, इसका विस्तार से वर्णन है। वैज्ञानिक रूप से नेतृत्व क्या हैं? किस व्यक्ति में नेतृत्व-क्षमता है? नेतृत्व-क्षमता को कैसे ज्ञात किया जाये? शाब्दिक व्युत्पत्ति की दृष्टि से‘‘नेतृत्व’’ अंग्रेजी के रूपान्तर ‘‘लीडरशिप’’ शब्द से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है ‘‘वह जो नेतृत्व दे’’।

लिपहम (1964) ‘‘नेतृत्व नवीन दिशा में परिवर्तन लाने का कारण है, जबकि प्रशासक वस्तुस्थिति को बनाये रखने पर ही ध्यान देता है।’’

राष्ट्र, शिक्षा जगत, स्थानीय समुदाय तथा विद्यालय सभी की यह अपेक्षा है कि प्रत्येक विद्यालय प्रधानाचार्य उसके शिक्षको व विद्यार्थियो को एक सृजनशील प्रभावी शैक्षिक नेतृत्व प्रदान करे। उनके नेतृत्व में संगठन और उसमें लगे व्यक्ति दोनों का विकास हो, वह नेतृत्व शैली के आधार पर जनप्रिय हो, परन्तु संगठन की उपेक्षा भी न हो।

टेरी (1960) के अनुसार, ‘‘नेतृत्व को उस योग्यता के रूप मे परिभाषित किया है।

जो उद्देश्यो के लिये स्वेच्छा से कार्य करने हेतु प्रभावित करता है।''

राष्ट्र, शिक्षा जगत, स्थानीय समुदाय तथा विद्यालय सभी की यह अपेक्षा है कि प्रत्येक विद्यालय प्रधानाचार्य उसके शिक्षको व विद्यार्थि यों को एक सृजनशील, प्रभावी शैक्षिक नेतृत्व प्रदान करें।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

शिक्षा प्रशासन की समस्यायें तथा उन्हे सुलझाने के प्रयास होने चाहिये। जहाँ भी मानवीय पक्ष के प्रशासन की बात आती है यह कार्य अत्यन्त जटिल हो जाता है। नेतृत्व जहाँ एक परिस्थिति में एक मानवीय समूह को सफल नेतृत्व दे पाता है, बदली परिस्थिति में वह सफल नही हो पाता, शिक्षा प्रशासन के क्षेत्र में भी प्रशासन की समस्यओ को सुलझाने के लिये जो अनेक सिद्धान्त विकसित हुये है, उनके आधार पर समस्यओ के हल खोजने का प्रयास करना चाहिये।

प्रधानाचार्य विद्यालय के नेतृत्वकर्ता है जिनके नेतृव में विद्यालय का सम्पूर्ण विकास हो पाता है। पूरी शैक्षणिक व्यवस्था में इनकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। प्रत्येक प्रकार के विद्यालयो में शैक्षिक प्रशासन का उत्तरदायित्व मुख्य रूप से विद्यालय प्रधानाचार्य का ही होता है। प्रधानाचार्य शिक्षक तथा विद्यार्थि यों के प्रेरणास्त्रोत, मार्गदर्शक विद्यालयी व्यवस्था का पर्यवेक्षक नीतियों का निर्धा रक व मूल्यांकनकर्ता भी होता है। विद्यालयो संस्थाओं में प्रधानाचार्य एक नेतृत्वकर्ता होता है। सच तो यह है कि विद्यालय की समग्र गतिविधियों पर आधारित होती है। अतः यह समाज और राष्ट्र की महत्वपूर्ण आवश्यकता है कि विद्यालय प्रधानाचार्य सुयोग्य हो ताकि राष्ट्र के भावी नागरिको का अपेक्षित निर्माण कुशल नेतृत्व में हो परन्तु राष्ट्र की बढ़ती शैक्षिक आवश्यकताओ के अनुरूप सहयोग व गुण सम्पन्न नेतृत्व देने वाले प्रधानाचार्य का उपलब्ध होना सर्वथा असम्भव है। अतः मात्र यही विकल्प शेष रहता है कि शैक्षिक दृष्टि से योग्य व्यक्तियों का चयन कर नेतृत्व का प्रशिक्षण दिया जाये।

प्रधानाचार्य विद्यालय का नेतृत्वकर्ता होता है वह विद्यालय के समस्त व्यक्तियों के लिये आदर्श होता है और उसके समस्त कार्यकर्ता उसका अनुसरण करते है और वे समिति को उन्नति की ओर ले जाये है और लक्ष्यों व उद्देश्यो की प्राप्ति करते है। प्रधानाचार्य विद्यालय का मुखिया होता है, उसका व्यक्तित्व गुणों से विभूषित होना चाहिये। उसके व्यक्तित्व में सभी गुण विद्यमान होने चाहिये जो एक कुशल नेतृत्वकर्ता के लिये आवश्यक है क्योंकि उसके अनुकुल नेतृत्व पर ही विद्यालय की सम्पूर्ण व्यवस्था व सचालन निर्भर करता है।

प्रधानाचार्य के रूप में नेतृत्व साहित्य के विषय अध्ययन के बाद वह स्वयं की भी एक ऐसी नेतृत्व शैली विकसित कर सकता है, जो स्वयं, विद्यालय सनगठन एवं सहयोगी शिक्षकों और कर्मियों को पसन्द हो। वह किसी एक नेतृत्व मॉडल पर चलकर विद्यालय के विकास की गति देख सकता है।

उपरोक्त आवश्यकता एवं महत्व को देखते हुए शोधकर्ता द्वारा उक्त शोध शीर्षक का चयन शोध कार्य के लिए किया गया है।

अध्ययन का शीर्षक

यूपी बोर्ड एवं सीबीएसई बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य की नेतृत्व क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन

अध्ययन के उद्देश्य

अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यूपी बोर्ड का सीबीएसई बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य के नेतृत्व क्षमता का अध्ययन करना है शोध के कुछ विशेष उद्देश्य निम्नलिखित है

1. यूपी बोर्ड व सीबीएसई बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य की नेतृत्व क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. लिंग-भेद के आधार पर यू0पी0 बोर्ड व सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयो के प्रधानाचार्यों की नेतृत्व क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. अनुभव के आधार पर यु0पी0 बोर्ड व सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयो के प्रधानाचार्यों की नेतृत्व क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएं

शोध कार्य को शअवस्थित रूप देने के लिए कई परिकल्पनाओं का निर्माण किया जाता है प्रस्तुत अधिकार के लिए निम्न शून्य परिकल्पनाओं को शामिल किया गया है।

1. यू0पी0 बोर्ड व सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयो के प्रधानाचार्यों की नेतृत्व क्षमता में कोई सार्थ क अन्तर नही है।
2. लिंगभेद के आधार पर यू0पी बोर्ड एवं सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयो के प्रधानाचार्या की नेतृत्व क्षमता में कोई सार्थ क अन्तर नही है।
3. अनुभव के आधार पर यू0पी0 बोर्ड व सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयो के प्रधानाचार्यों की नेतृत्व क्षमता में कोई सार्थ क अन्तर नही है।

अध्ययन क्षेत्र की परिसीमा

1. प्रस्तुत शोध उत्तर प्रदेश राज्य की बरेली जिले तक सीमित किया गया है।
2. बरेली जिले के 100 माध्यमिक विद्यालयों के 100 शिक्षकों तक सीमित किया गया है।
3. प्रस्तुत अध्ययन 100 शिक्षकों में 50 महिला शिक्षकों एवं 50 पुरुष शिक्षकों तक सीमित किया गया है।

संबंधित साहित्य का सर्वेक्षण

पारीक एवं विश्वलाल (2015) ने प्रधानाचार्यों के शैक्षिक नेतृत्व का विद्यालयी वातावरण पर प्रभाव का अध्ययन किया तथा निष्कर्ष पाया कि उच्च शैक्षिक नेतृत्व क्षमता प्रकट करने वाले प्रधानाचार्यों, शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत प्रधानाचार्यों के विद्यालयो का विद्यालयी वातावरण निम्न शैक्षिक नेतृत्व क्षमता प्रकट करने वाले प्रधानाचार्य शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत प्रधानाचार्यों के विद्यालयों के विद्यालयी वातावरण की तुलना मे अच्छा है।

हुआंग, शेन 2022 ने प्रधानाचार्य के नेतृत्व और छात्र उपलब्धि के बीच संबंध एक बहु भिन्न रूपी मेटा विश्लेषण पर शोध कार्य किया जिसमें कल 12 पूर्व मेटा विश्लेषण को शामिल किया गया जिसमें 18 प्रभाव आकर थे मात्रात्मक विश्लेषण से पता चलता है कि प्रधानाचार्य के नेतृत्व का छात्र उपलब्धि के साथ सांख्यिकी रूप से महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध है जिसमें वर्तमान में ज्ञान के महत्व और सीमाओं के साथ-साथ भविष्य के शोध के लिए अनुशंसाओं पर चर्चा की गई थी।

यू कियांग एवं अन्य 2024 ने प्रधानाध्यापक की नैतिक क्षमता और परिवर्तनकारी नेतत्व एक अनुप्रस्थ अध्ययन पर शोध कार्य किया जिसमें चीन के यूनान प्रांत के चंग सा शहर के चार तृतीएक मान्यताओं से 329 प्रधानाध्यापकों पर सर्वेक्षण विधि द्वारा शोध कार्य किया गया निष्कर्ष में पाया कि हेड नसों की बीच नैतिक दक्षता के विभिन्न स्तरों को ध्यान में रखते हुए हस्तक्षेपों को अनुकूलित करने के महत्व को रेखांकित करते हैं जिसमें समस्त स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में वृद्धि हो सकती है।

राज, गीतिका 2025 ने नेतत्व क्षमता पर शोध: हम कहां हैं, और हमें किस दिशा में आगे पढ़ना चाहिए पर शोध कार्य किया जिसका उद्देश्य नेतृत्व क्षमता की अवधारणा के आसपास की परिभाषात्मक विसंगतियों को स्पष्ट करना था इसके लिए शोधकर्ता ने 2016 से 2024 तक 27 प्रमुख पत्रिकाओं में प्रकाशित 81 अनुभवजन्य लिखो का विश्लेषण किया निष्कर्ष में पाया कि अध्ययनों में से एक तिहाई में सैद्धांतिक आधार का अभाव है जब किसी मुख्य रूप से लक्षण और संज्ञानात्मक दृष्टिकोण पर निर्भर है अधिकांश शोध व्यक्तिगत स्तर की भविष्य वक्ताओं और परिणाम पर जोर देते हैं।

शोध प्रारूप

अध्ययन विधि

प्रस्तुत शोधकार्य में आंकड़ों के संकलन हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या

अध्ययन में बरेली जिले के सभी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत प्रधानाचार्य इस शोध कार्य हेतु जनसंख्या के रूप में सम्मिलित किए गए।

न्यादर्श

न्यादर्श के चयन हेतु यदरक्षिक विधि का प्रयोग कर बरेली जिले के 100 माध्यमिक विद्यालयों के 100 प्रधानाचार्य का चयन किया गया है।

उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में हींगर एवं आशा 1986 द्वारा निर्मित लीडरशिप बिहेवियर स्केल का प्रयोग किया गया है।

प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियां

प्रस्तुत अध्ययन में मध्यमान ,मानक विचलन एवं टी परीक्षण का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकी विश्लेषण

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक अध्ययन का प्रयोग किया गया जिसमें उपकरण मापनी से प्राप्त आंकड़ों से ज्ञात सूचनाओं के आधार पर अध्ययन का सांख्यिकी विश्लेषण किया गया है।

तालिका सं0-4.1

आंकड़ों के विश्लेषण से प्राप्त परिणाम

यू0पी0 बोर्ड व सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयो के प्रधानाचार्या की नेतृत्व क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन

क्र0सं0	आयाम	यू0पी0 बोर्ड (N=50)		सी0बी0एस0ई0बोर्ड (N=50)		टी-मान df=98
		मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन	
1.	भावनात्मक स्थाईकर्ता	19.56	2.20	17.82	5.08	2.25**
2.	टीम निर्माता	21.78	2.43	20.58	2.57	2.50**
3.	निष्पत्ति उन्मुख	21.64	0.84	20.90	1.36	3.70**
4.	क्षमता उत्प्रेरक	23.42	1.24	21.82	2.47	4.21**
5.	सामाजिक विवेकपूर्ण	19.86	2.17	20.92	2.04	1.37
6.	मूल्य आत्मसातक	22.54	2.44	22.26	2.86	0.54
	कुल	**128.80**	**11.32**	**124.30**	**16.38**	**1.60**

टी-मान 0.05 सार्थकता स्तर*

टी मान 0.01 सार्थकता स्तर**

तालिका 4.2 में यू0पी0 बोर्ड व सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयो के प्रधानाचार्यों के मध्य नेतृत्व क्षमता सम्बन्धी मध्य मान, मानक विचलन तथा टी-मान प्रदर्शित किया गया है।

यू0पी0 बोर्ड के प्रधानाचार्यों में टीम निर्माता, निष्पत्ति उन्मुख, सामाजिक विवेकपूर्ण, मूल्य आत्मसातक का मध्यमान क्रमशः 21.78 (2.43), 21.64 (0.84), 19.86 (2.17), 22.54 (2.44) पाया गया है

सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के प्रधानाचार्यों में भावनात्मक स्थाईकर्ता का मध्यमान

17.82 (5.08) है जो कि निम्न नेतृत्वकर्ता क्षमता को प्रदर्शित करता है। जबकि मूल्य आत्मसातक का मध्यमान 22.26 (2.86) हैं, जो कि उच्च नेतृत्व क्षमता को प्रदर्शित करता है।

यू0पी0 बोर्ड व सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के प्रधानाचार्य की नेतृत्व क्षमताओ के मानक विचलनों को देखने से होता है कि यू0पी0 बोर्ड के प्रधानाचार्यों में मूल्य आत्मसातक का मानक विचलन (2.44) हैं। अतः मूल्य आत्मसातक के सम्बन्ध में सबसे अधिक विधिता पायी गयी। तथा सबसे कम मानक विचलन (0.84) निष्पत्ति उन्मुख का पाया गया। अतः निष्पत्ति उन्मुख के सम्बन्ध में सबसे कम विविधता पायी गयी।

तालिका 4.2

लिंग भेद के आधार पर यू0पी0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयो के पुरूष व महिला प्रधानाचार्य की नेतृत्व क्षमता का अध्ययन

क्र0सं0	आयाम	पुरूष प्रधानाचार्य (N=30)		महिला प्रधानाचार्य (N=30)		टी-मान df=48
		मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन	
1.	भावनात्मक स्थाईकर्ता	19.60	2.02	19.50	2.39	0.15
2.	टीम निर्माता	21.86	2.40	21.65	2.47	0.29
3.	निष्पत्ति उन्मुख	21.76	1.02	21.45	0.66	1.34
4.	क्षमता उत्प्रेरक	23.16	1.52	23.80	0.97	1.82
5.	सामाजिक विवेकपूर्ण	19.46	2.37	20.45	1.98	2.70**
6.	मूल्य आत्मसातक	21.83	2.85	23.60	2.03	2.80**
	कुल	**127.67**	**12.18**	**13.45**	**10.50**	**0.86**

टी-मान 0.05 सार्थकता स्तर

*टी मान 0.01 सार्थकता स्तर**

तालिका 4.3 मे लिंगभेद के आधार पर यू0पी0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष तथा महिला प्रधानाचार्यों के मध्य नेतृत्व क्षमता सम्बन्धी मध्यमान, मानक विचलन तथा टी-मान प्रदर्शित किया गया है।

पुरूष प्रधानाचार्य में भावनात्मक स्थाईकर्ता, टीम निर्माता, निष्पत्ति उन्मुख, मूल्य आत्मसातक का मध्यमान क्रमशः 19.60 (2.02), 21.86 (2.40), 21.83 (2.85) पाया गया है। ये सभी मध्यमान औसत नेतृत्व क्षमता के स्तर को प्रदर्शित करते हैं पुरूष प्रधानाचार्यो में सामाजिक विवेकपूर्ण का मध्यमान 19.46 (2.37) है जो कि निम्न नेतृत्व क्षमता को प्रदर्शित करता है। जबकि क्षमता उत्प्रेरक का मध्यमान 23.16 (2.37) है जो कि उच्च नेतृत्व क्षमता के स्तर को प्रदर्शित करता है।

महिला प्रधानाचार्यों में टीम निर्माता, निष्पत्ति उन्मुख, सामाजिक विवेकपूर्ण, मूल्य आत्मसातक का मध्यमान क्रमशः 21.65 (2.47), 21.45 (0.66), 20.45 (1.98), 23.60 (2.03) पाया गया है। ये सभी मध्यमान औसत नेतृत्व क्षमता के स्तर को प्रदर्शित करते है

लिंग भेद के अनुसार पुरूष एवं महिला प्रधानाचार्यों के विभिन्न नेतृत्व क्षमताओं के मानक विचलनो को देखने से ज्ञात होता है कि पुरूष प्रधानाचार्यों में मुल्य आत्मसातक का मानक विचलन (2.85) है। अतः मूल्य आत्मसातक के सम्बन्ध में सबसे अधिक विविधता पायी गयी तथा सबसे कम मानक विचलन (1.02) निष्पत्ति उन्मुख का पाया गया। अतः निष्पत्ति उन्मुख के सम्बन्ध मे सबसे कम विविधता पायी गयी।

इस आधार पर महिला प्रधानाचार्यों में पुरूष प्रधानाचार्यों की अपेक्षा सामाजिक विवेकपूर्ण तथा मूल्य आत्मसातक का मध्यमान अधिक प्रदर्शित होता है। अतः शून्य परिकल्पना आंशिक रूप से स्वीकृत तथा आशिक रूप से अस्वीकृत की जाती है।

तालिका सं0-4.3

लिंग भेद के आधार पर सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष व महिला प्रधानाचार्य की नेतृत्व क्षमता का अध्ययन

क्र0सं0	आयाम	पुरूष प्रधानाचार्य (N=30)		महिला प्रधानाचार्य (N=30)		टी-मान df=48
		मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन	
1.	भावनात्मक स्थाईकर्ता	17.86	2.85	11.83	7.32	3.52*
2.	टीम निर्माता	20.43	3.06	20.80	2.08	0.51
3.	निष्पत्ति उन्मुख	20.63	1.22	21.30	1.51	1.76
4.	क्षमता उत्प्रेरक	22.33	2.78	21.05	2.17	1.85
5.	सामाजिक	21.50	2.14	20.05	1.95	3.81**

	विवेकपूर्ण					
6.	मूल्य आत्मसातक	22.90	2.63	21.30	3.09	1.92**
	कुल	**125.65**	**14.68**	**116.33**	**18.12**	**1.90**

टी-मान 0.05 सार्थकता स्तर*

टी मान 0.01 सार्थकता स्तर**

तालिका 4.4 में लिंग भेद के आधार पर सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयो के पुरूष व महिला प्रधानाचार्यों के मध्य नेतृत्व क्षमता सम्बन्धी मध्यमान, मानक विचलन तथा टी-मान प्रदर्शित किया गया है

लिंग भेद के आधार पर अध्ययन करने से ज्ञात होता है कि टीम निर्माता, निष्पत्ति उन्मुख, क्षमता उत्प्रेरक, मूल्य आत्मसातक का टी-मान क्रमशः 0.51, 1.76, 1.85, 1.92 पाया गया, जो सार्थ कता स्तर 0.05 पर सार्थक अन्तर नही है तथा भावनात्मक स्थाईकर्ता, सामाजिक विवेकपूर्ण का टी-मान क्रमशः 3.52, 3.81 पाया गया, जो सार्थकता स्तर 0.01 स्तर पर सार्थक अन्तर है। इस आधार पर पुरूष प्रधानाचार्यों में महिला प्रधानाचार्यों की अपेक्षा भावनात्मक स्थाईकर्ता तथा सामाजिक विवेकपूर्ण का मध्यमान अधिक प्रदर्शित होता है। अतः शून्य परिकल्पन आशिक रूप से स्वीकृत तथा आशिक रूप से अस्वीकृत की जाती है।

अतः सम्पूर्ण नेतृत्व क्षमता के सन्दर्भ में शून्य परिकल्पना ‘‘लिंग भेद के आधार पर सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयो के पुरूष व महिला प्रधानाचार्य की नेतृत्व क्षमता में कोई सार्थक अन्तर नही है’’ स्वीकृत की जाती है।

तालिका सं0-4.4

अनुभव के आधार पर यू0पी0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयो के प्रधानाचार्यों की नेतृत्व क्षमता का अध्ययन

क्र0सं0	**आयाम**	**0-10 वर्ष (N=30)**		**10-20 वर्ष (N=20)**		**टी-मान df=48**
		मध्यमान	**मानक विचलन**	**मध्यमान**	**मानक विचलन**	
1.	भावनात्मक स्थाईकर्ता	19.52	2.31	19.65	2.02	0.21
2.	टीम निर्माता	21.80	2.48	21.75	2.28	0.07
3.	निष्पत्ति उन्मुख	21.57	0.90	21.70	0.64	0.65
4.	क्षमता उत्प्रेरक	23.45	1.17	23.55	1.11	0.32
5.	सामाजिक	20.10	3.11	19.70	2.31	0.52

	विवेकपूर्ण					
6.	मूल्य आत्मसातक	22.67	2.41	22.65	2.50	0.02
	कुल	**129.11**	**12.38**	**129.00**	**1086**	**0.03**

टी-मान 0.05 सार्थकता स्तर*

टी मान 0.01 सार्थकता स्तर**

तालिका 4.6 से स्पष्ट हैं कि अनुभव के आधार पर यू0पी0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयो के प्रधानाचार्यों की नेतृत्व क्षमता, सम्बन्धी मध्यमान, मानक विचलन तथा टी-मान प्रदर्शित किया गया है।

0-10 वर्ष का अनुभव प्राप्त प्रधानाचार्यों में टीम निर्मा ता, निष्पत्ति उन्मुख, सामाजिक विवेकपूर्ण, मूल्य आत्मसातक का मध्यमान क्रमशः 21.80 (2.48), 21.57 (0.90), 20.10 (3.11), 22.67 (2.41) पाया गया है। ये सभी मध्यमान औसत नेतृत्व क्षमता के स्तर को प्रदर्शित करते है

10-20 वर्ष का अनुभव प्राप्त प्रधानाचार्यों में टीम निर्माता, निष्पत्ति उन्मुख, सामाजिक विवेकपूर्ण, मूल्य आत्मसातक का मध्यमान क्रमशः पाया गया है। ये सभी मध्यमानऔसत नेतृत्व क्षमता के स्तर को प्रदर्शित करते है

अनुभवों के आधार पर अध्ययन करने से ज्ञात होता है कि भावनात्मक स्थाईकर्ता, टीम निर्माता, निष्पत्ति उन्मुख, सामाजिक विवेकपूर्ण, मूल्य आत्मसातक का टी मान क्रमशः 0.21, 0.07, 0.65, 0.32, 0.52, 0.02 पाया गया है, जो सार्थकता स्तर 0.05 व 0.01 पर सार्थक अन्तर नही है।

अतः सम्पूर्ण नेतृत्व क्षमता के सन्दर्भ में शून्य परिकल्पना ‘‘अनुभव के आधार पर यू0पी0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों की नेतृत्व क्षमता में कोई सार्थक अन्तर नही है’’ स्वीकृत की जाती है।

तालिका सं0-4.5

अनुभव के आधार पर सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों की नेतृत्व क्षमता का अध्ययन

क्र0सं0	**आयाम**	**0-10 वर्ष (N=18)**		**10-20 वर्ष (N=32)**		**टी-मान df=48**
		मध्यमान	**मानक विचलन**	**मध्यमान**	**मानक विचलन**	
1.	भावनात्मक स्थाईकर्ता	17.62	3.37	17.92	3.57	0.28
2.	टीम निर्माता	21.28	1.79	20.44	2.23	1.50
3.	निष्पत्ति उन्मुख	20.87	1.19	20.91	1.36	0.11

4.	क्षमता उत्प्रेरक	21.75	1.64	21.85	2.48	0.17
5.	सामाजिक विवेकपूर्ण	18.90	2.75	21.22	1.97	3.17**
6.	मूल्य आत्मसातक	24.00	3.23	22.70	2.37	1.51
	कुल	**124.42**	**13.97**	**125.04**	**14.04**	**0.15**

टी-मान 0.05 सार्थकता स्तर*

टी मान 0.01 सार्थकता स्तर**

तालिका 4.7 से स्पष्ट है कि अनुभव के आधार पर सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयो के प्रधानाचार्यों की नेतृत्व सम्बन्धी मध्यमान, मानक विचलन तथा टी-मान प्रदर्शित किया गया है।

0-10 वर्ष का अनुभव प्राप्त प्रधानाचार्यों में टीम निर्माता, निष्पत्ति उन्मुख, क्षमता उत्प्रेरक, सामाजिक विवेकपूर्ण का मध्यमान क्रमशः 21.28 (1.79), 20.87 (1.19), 21.75 (1.64), 18.90 (2.75) पाया गया है। ये सभी मध्यमान औसत नेतृत्व क्षमता के स्तर को प्रदर्शित करते है 10-20 वर्ष का अनुभ्व प्राप्त प्रधानाचार्यों में टीम निर्माता, निष्पत्ति उन्मुख, क्षमता उत्प्रेरक, सामाजिक विवेकपूर्ण का मध्यमान क्रमशः 20.44 (2.23), 20.91 (1.36), 21.85 (2.48), 21.22 (1.97) पाया गया है। ये सभी मध्यमान औसत नेतृत्व क्षमता के स्तर को प्रदर्शित करता है अनुभवों के आधार पर अध्ययन करने से ज्ञात होता है कि भावनात्मक स्थाईकर्ता, टीम निर्माता, निष्पत्ति उन्मुख, क्षमता उत्प्रेरक, मूल्य आत्मसातक का टी मान क्रमशः 0.28, 1.50, 0.11, 0.17, 1.51 पाया गया है, जो सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक अन्तर नही है तथा सामाजिक विवेकपूर्ण का टी मान क्रमशः 3.17 पाया गया है जो सार्थकता स्तर 0.01 पर सार्थक अन्तर है।

इस आधार पर 10-20 वर्ष का अनुभव प्राप्त प्रधानाचार्यों में 0-10 वर्ष का अनुभव प्राप्त प्रधानाचार्यों की अपेक्षा सामाजिक विवेकपूर्ण का मध्यमान अधिक प्रदर्शित होता है। अतः शून्य परिकल्पना आशिक रूप से स्वीकृत तथा आशिक रूप से अस्वीकृत की जाती है।

अतः सम्पूर्ण नेतृत्व क्षमता के सन्दर्भ में शून्य परिकल्पना ''अनुभव के आधार पर सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयों के प्राधानाचार्यो की नेतृत्व क्षमता में कोई सार्थक अन्तर नही है'' स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष:-

प्रस्तुत लघु शोध प्रबन्ध में सांख्यिकीय विवेचन एवं प्रदत्त के विश्लेषण एवं व्याख्या से निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुये:-

1. यू0पी0 बोर्ड व सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के प्रधानाचार्यों का अध्ययन करने से ज्ञात होता है कि यू0पी0 बोर्ड में टीम निर्माता, निष्पत्ति उन्मुख, सामाजिक विवेकपूर्ण, यू0पी0 बोर्ड में टीम निर्माता, निष्पत्ति उन्मुख, सामाजिक विवेकपूर्ण, मूल्य

आत्मसातक की नेतृत्व क्षमता निम्न स्तर की पायी गयी तथा भावनात्मक स्थाईकर्ता की नेतृत्व क्षमता निम्न स्तर की पायी गयी तथा क्षमता उत्प्रेरक की नेतृत्व क्षमता क्रमशः निम्न व उच्च स्तर की पायी गयी। अतः सम्पूर्ण नेतृत्व क्षमता के सन्दर्भ में शून्य परिकल्पना अस्वीकृत पायी गयी।

2. अनुभव के आधार पर सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य का अध्ययन करने से ज्ञात होता है कि (0-10) वर्ष का अनुभव प्राप्त प्रधानाचार्यों उन में टीम निर्माता, निष्पत्ति उन्मुख, क्षमता उत्प्रेरक, सामाजिक विवेकपूर्ण की नेतृत्व क्षमता औसत स्तर पर विद्यमान थी। तथा भावनात्मक स्थाईकर्ता व मूल्य आत्मसातक भी नेतृत्व क्षमता क्रमशः निम्न व उच्च स्तर की पायी गयी। जबकि (10-20) वर्ष का अनुभव प्राप्त प्रधानाचार्यों मे टीम निर्माता, निष्पत्ति उन्मुख, क्षमता उत्प्रेरक, सामाजिक विवेकपूर्ण की नेतृत्व क्षमता औसत स्तर पर विद्यमान थी तथा भावनात्मक स्थाईकर्ता व मूल्य आत्मसातक की नेतृत्व क्षमता क्रमशः निम्न व उच्च स्तर की पायी गयी, अतः सम्पूर्ण नेतृत्व क्षमता के संदर्भ में शून्य परिकल्पना स्वीकृत पायी गयी।

3. लिंग भेद के आधार पर यू0पी0 बोर्ड के पुरूष व महिला प्रधानाचार्यों का अध्ययन करने से ज्ञात होता है कि पुरूष प्रधानाचार्यों में भावनात्मक स्थाईकर्ता, टीम निर्माता, निष्पत्ति उन्मुख, मूल्य आत्मसातक की नेतृत्व क्षमता औसत स्तर पर विद्यमान थी तथा सामजिक विवेकपूर्ण व क्षमता उत्प्रेरक की नेतृत्व क्षमता क्रमशः निम्न व उच्च स्तर की पायी गयी। जबकि महिला प्रधानचार्यों में टीम निर्माता निष्पत्ति उन्मुख, सामाजिक विवेकपूर्ण, मूल्य आत्मसातक की नेतृत्व क्षमता औसत स्तर पर विद्यमान थी तथा भावनात्मक स्थाईकर्ता व क्षमता उत्प्रेरक की नेतृत्व क्षमता क्रमशः निम्न व उच्च स्तर की पायी गयी। अतः सम्पूर्ण नेतृत्व क्षमता के सन्दर्भ में शून्य परिकल्पना स्वीकृत पायी गयी।

4. लिंग भेद के आधार पर सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के पुरूष व महिला प्रधानाचार्य का अध्ययन करने से ज्ञात होता है कि पुरूष प्रधानाचार्य में टीम निर्माता, निष्पत्ति उन्मुख, क्षमता उत्प्रेरक, सामाजिक विवेकपूर्ण की नेतृत्व क्षमता औसत स्तर पर विद्यमान थी, तथा भावनात्मक स्थाईकर्ता व मूल्य आत्मसातक की नेतृत्व क्षमता क्रमशः निम्न व उच्च स्तर की पायी गयी। जबकि महिला प्रधानाचार्यों में टीम निर्माता, निष्पति उन्मुख, क्षमता उत्प्रेरक, भाववात्मक स्थाईकर्ता व मूल्य आत्मसातक की नेतृत्व क्षमता क्रमशः निम्न व उच्च स्तर की पायी गयी, अतः सम्पूर्ण नेतृत्व क्षमता के संदर्भ में शून्य परिकल्पलना स्वीकृत पायी गयी।

5. अनुभव के आधार पर यू0पी0 बोर्ड के माध्यमिक विद्यालय में प्रधानाचार्यों का अध्ययन करने से ज्ञात है कि (0-10) वर्ष का अनुभव प्राप्त प्रधानाचार्य में टीम निर्माता, निष्पत्ति उन्मुख, सामाजिक विवेकपूर्ण, मूल्य आत्मसातक की नेतृत्व क्षमता औसत स्तर पर विद्यमान थी। तथा भावनात्मक स्थाईकर्ता व क्षमता उत्प्रेरक की नेतृत्व क्षमता क्रमशः निम्न व उच्च स्तर की पायी गयी। जबकि (10-20) वर्ष का अनुभव प्राप्त प्रधानाचार्य मे टीम निर्माता, निष्पत्ति उन्मुख, सामाजिक विवेकपूर्ण, मूल्य आत्मसातक की नेतृत्व क्षमता औसत स्तर पर विद्यमान थी तथा भावनात्मक स्थाईकर्ता व क्षमता उत्प्रेरक की नेतृत्व क्षमता क्रमशः निम्न व उच्च स्तर की पायी गयी। अतः सम्पूर्ण नेतृत्व क्षमता के सन्दर्भ में शून्य परिकल्पना स्वीकृत पायी गयी।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- भटनागर, ए0बी0 और भटनागर, ए0 (2016). अधिगम एवं शिक्षण. मेरठः आर0 लाल बुक डिपा
- गुप्ता, एस0पी0 एवं गुप्ता, ए0 (2017). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. इलाहाबादः शारदा पुस्तक भवन गुप्ता, एस0पी0 एवं गुप्ता, ए0 (2019). भारतीय शिक्षा का इतिहासः विकास एवं समस्याये इलाहाबादः शारदा पुस्तक भवन
- हुआंग शेन 2022, प्रधानाचार्य के नेतृत्व और छात्र उपलब्धि के बीच संबंध: एक बहुत भिन्न रूपी मेटा विश्लेषण शैक्षिक अनुसंधान समीक्षा खंड 35 फरवरी 2022, 100423
- कटियार, के एवं सिंह, आर0के0 (2017). समकालीन भारत और शिक्षा. मेरठः अग्रवाल प्रकाशन
- लिडेन वांग 2025 नेतृत्व का विकास अतीत की अंतर्दृष्टि वर्तमान रुझान और भविष्य की दिशाएं जनरल आफ बिजनेस रिसर्च खंड 186 जनवरी 2025 https://doi.org/10.1016/j.j busres.2024.115036
- मेंघेईरकौनी 2020, 21वीं सदी में नेतृत्व विकास के रुझान और चुनौतियां प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार , जनरल आफ मैनेजमेंट डेवलपमेंट 2020
- पिट्स एवं अन्य 2025 शिक्षक नेतृत्व विकास के रहस्य को उजागर करना नेतृत्व करने के लिए शिक्षकों की प्रेरणा की पड़ताल अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका खंड 132, 2025, 102632
- राज,गीतिका 2025, नेट तो क्षमता पर शोध हम कहां हैं और हमें किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए इंटरनेशनल जनरल ऑफ़ ऑर्गेनाइजेशन एनालिसिस 2025, 33 (10) 3528 -356
- टिग्रे फर्नांडा 2024 नवरी नेतृत्व का निर्माण सफलता विविधता और जोखिम लेने की क्षमता का संयोजन यूनिवर्सिटीडेड डी लिस्वोआ, रुआ, मिगुएल लुपि 20 लिस्वन पुर्तगाल, जुलाई 2024